[This question paper contains 2 printed pages.]

Serial No of the Question Paper:
Unique Paper Code: **12101101**
Name of the Paper: Indian Philosophy
Name of the Course: B.A. (Hons.)- Philosophy CBCS-LOCF
Semester : I
Duration: 3 +1 hours Maximum Marks: 75

Instruction for Candidates:
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of the question paper.
Attempt FOUR questions in all. All questions carry EQUAL marks.
Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिये निर्देश:
इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाक लिखिए।
कुल चार प्रश्नो के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नो के अंक समान है।
इस प्रश्न पत्र का उत्तर अँगेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss critically the common characteristics of the various schools of Indian Philosophy.
भारतीय दर्शनशास्त्र के विभिन्न सम्प्रदाओं की सामान्य विशेषताओं की समीक्षात्मक चर्चा कीजिए।

OR अथवा

Bring out the philosophical significance of the notions of *Śreyas* and *Preyas* according to the *Kaṭopaniṣad.*
कठोपनिषद के श्रेयस और प्रेयस की अवधारणाओं के दार्शनिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. Examine the metaphysics and epistemology of the Cārvāka materialism.
चार्वाक जड़वाद के तत्त्वमीमामसा और ज्ञानमीमामसा की परीक्षा कीजिए।

OR अथवा

Analyse the 'Four Noble Truths' propounded by the Buddha.
बुद्ध द्वारा प्रतिपादित 'चार आर्य सत्य' का विश्लेषण कीजिए।

3. Explain the conception of *Syādvāda.*
स्यादवाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए

OR अथवा

Discuss the Nyāya notion of *pratyakṣa* (perception) as a *pramāna.*
न्याय दर्शन के प्रत्यक्ष प्रमाण की परिकल्पना की चर्चा कीजिए।

4. Examine the notion of *Satkāryavāda* advocated by the Sāmkhya system.
सांख्य दर्शन द्वारा प्रतिपादित सत्कार्यवाद की परिकल्पना की परीक्षा कीजिए।

OR अथवा

5. Evaluate the conception of Māyā n the philosophy of Śaṁkarācārya.

शंकराचार्य के दर्शन में माया की धारणा की समीक्षा कजिए।

6. Compare the doctrine of the Self propounded in Cārvāka and Buddhism.
चार्वाक और बौद्ध दर्शन में प्रतिपादित आत्मा के सिद्धांत की तुलना कीजिए।

OR अथवा

Bring out the significance of *karma* and *apūrva* as discussed in *Pūrva-Mīmāṁsā*.
पूर्व-मीमामसा में चर्चित कर्म और अपूर्व की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

7. State and examine the '*sapta-anupapatti'* advanced by Rāmānujācārya .
रामानुजाचार्य द्वारा प्रतिपादित 'सप्त-अनुपपत्ति' को स्पष्ट कीजिए और उसका मूल्याँकन कीजिए।

****